HD-03

December - Examination 2025
B.A. (Part-II) Examination
हिन्दी साहित्य
[हिन्दी गद्य भाग–II (नाटक एवं अन्य विधाएँ)]
Paper : HD-03

[*Time: **3** Hours*] [*Maximum Marks: **70***]

निर्देश :– यह प्रश्नपत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड–'अ' **7×2=14**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **2** अंकों का है।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –
   (i) जीवनी से क्या तात्पर्य है?
   (ii) हिन्दी की दो प्रसिद्ध आत्मकथाओं के नाम लिखिए।
   (iii) 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक का मूल उद्देश्य क्या है?
   (iv) 'महाभारत की एक साँझ' एकांकी के प्रमुख पात्रों के नाम लिखिए।
   (v) 'भोलाराम का जीव' में किस समस्या को रेखांकित किया गया है?
   (vi) ललित निबंध किसे कहते हैं?
   (vii) 'कलम का सिपाही' जीवनी किस साहित्यकार के जीवन पर आधारित है?

खण्ड–'ब' **4×7=28**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **7** अंकों का है।

2. सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

अगर आदमी अपने शरीर की, मन की और वाक् की अनायास घटने वाली वृत्तियों के विषय में विचार करे, तो उसे अपनी वास्तविक प्रवृत्ति पहचानने में बहुत सहायता मिले। पर कौन सोचता है? सोचना तो क्या, उसे इतना भी पता नहीं चलता कि उसके भीतर नख बढ़ा लेने की जो सहजात वृत्ति है, वह उसके पशुत्व का प्रमाण है। उन्हें काटने की जो प्रवृत्ति है, वह उसकी मनुष्यता की निशानी है और यद्यपि पशुत्व के चिह्न उसके भीतर रह गए हैं, पर वह पशुत्व को छोड़ चुका है। पशु बनकर वह आगे नहीं बढ़ सकता। उसे कोई और रास्ता खोजना चाहिए। अस्त्र बढ़ाने की प्रवृत्ति मनुष्यता की विरोधिनी है।

3. सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

कुछ नहीं, मैं केवल यही कहना चाहती हूँ कि पुरुषों ने स्त्रियों को अपनी पशु–सम्पत्ति समझकर उन पर अत्याचार करने का अभ्यास बना लिया है। वह मेरे साथ नहीं चल सकता। यदि तुम मेरी रक्षा नहीं कर सकते, अपने कुल की मर्यादा, नारी का गौरव नहीं बचा सकते, तो मुझे बेच भी नहीं सकते हो। हाँ, तुम लोगों को आपत्ति से बचाने के लिए मैं स्वयं यहाँ से चली जाऊँगी।

4. 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की अभिनेयता पर अपने विचार लिखिए।
5. तुलसी साहित्य को रामविलास शर्मा ने किस दृष्टि से विश्लेषित किया है? स्पष्ट कीजिए।
6. 'घीसा' पात्र और महादेवी की दृष्टि पर टिप्पणी लिखिए।
7. यात्रावृत्त में मिथकीय चेतना का क्या महत्त्व है?
8. 'मेरा बचपन' आधार पर हरिवंशराय बच्चन के व्यक्तित्व की विशेषताएं बताइए।
9. भारतीय और पाश्चात्य आलोचना दृष्टि के मूलभूत अंतर की विवेचना कीजिए।

खण्ड–'स' **2×14=28**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **14** अंकों का है।

10. 'महाभारत की एक साँझ' – एकांकी की तात्त्विक समीक्षा कीजिए।
11. 'उत्साह' निबंध में व्यक्त विचारों को अपने शब्दों में लिखिए।
12. 'आखिरी चट्टान तक' यात्रावृत्त में चित्रित प्राकृतिक सौन्दर्य को रेखांकित कीजिए।
13. टिप्पणी लिखिए –
    (क) आलोचना में विमर्श–परंपरा
    (ख) संस्मरण और रेखाचित्र में अंतर